

दिनांक 06 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

केले का निर्यात

683. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री नारणभाई काछडिया:
श्री रणजितसिंह नाईक निंबालकर:

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व का सबसे बड़ा केला उत्पादक होने के बावजूद वर्तमान में वैश्विक बाजार में भारत का निर्यात हिस्सा मात्र एक प्रतिशत है;

(ख) यदि हां, तो इसके कारणों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा यूरोपीय बाजार के कठोर मानकों को पूरा करने के लिए केले की गुणवत्ता और शेल्फ लाइफ को बढ़ाने और किसानों के साथ सीधे काम करके केले के लिए एक मूल्य श्रृंखला स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख) भारत केले का सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन देश के भीतर इसका भारी घरेलू खपत आधार है। यह और उत्पाद की उच्च विनश्यशीलता और अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बाजारों से दूरी ने भी कम निर्यात में योगदान दिया है।

(ग) सरकार केले के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता और शेल्फ लाइफ में सुधार लाने सहित, आवश्यक कदम उठा रही है। वाणिज्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक सांविधिक

निकाय कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को केले के निर्यात को बढ़ावा देने का अधिदेश है। एपीडा के तत्वावधान में केले के लिए एक निर्यात संवर्धन फोरम (ईपीएफ) की स्थापना की गई है, जिसमें व्यापार/उद्योग, संबंधित मंत्रालयों/विभागों, विनियामक एजेंसियों, अनुसंधान संस्थानों, राज्य सरकारों आदि का प्रतिनिधित्व है। ईपीएफ केले के उत्पादन और निर्यात से संबंधित विकास को चिन्हित करने और पूर्वानुमान लगाने, निर्यात की कुल उत्पादन/आपूर्ति श्रृंखला में हितधारकों तक पहुंचने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक नीतिगत अंतःक्षेप और अन्य उपायों के लिए सिफारिशें करने का प्रयास करता है। एपीडा ने विभिन्न राज्यों में केले के लिए उत्पादन समूहों को भी चिन्हित किया है और नियंत्रित क्षेत्र प्रबंधन पद्धति और इन क्लस्टरों में प्री-कूलर्स; राइपेनिंग चैम्बर्स और एथिलीन डिप टैंक जैसे मुवएबल पोस्ट-हार्वेस्ट उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दिया है। एपीडा ने पश्चिम एशियाई देशों में आगे के परिवहन के लिए आंध्र प्रदेश से मुंबई बंदरगाह तक रेफ्रिजरेटेड ट्रेन के माध्यम से केले की थोक आवाजाही की सुविधा भी प्रदान की है। एपीडा ने यूरोपीय देशों को निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए समुद्री प्रोटोकॉल का विकास भी शुरू किया है।

एपीडा क्रेता-विक्रेता बैठकों (बीएसएम) का आयोजन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी; आयातक देशों के साथ स्वच्छता और पादप स्वच्छता (एसपीएस), व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी) और बाजार पहुंच के मुद्दों को उठाना; और विभिन्न देशों में निर्यात अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारतीय मिशनों के साथ नियमित बातचीत करके निर्यात को बढ़ावा देने में निर्यातकों की सहायता करता है।

उपर्युक्त कदमों के परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्षों के दौरान केले के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो निम्नानुसार है:

वर्ष	मात्रा (एमटी)	मूल्य (यूएसडी मिलियन में)
2020-21	232518.22	99.86
2021-22	376572.37	157.86
2022-23	361841.61	174.83

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस
